This question paper contains 3 printed pages.]

8134 *Your Roll No. .....*

M.Ed. **A**

Course – 4.5–D.2

(TEACHER EDUCATION : CONTEXTUAL ISSUES & PROGRAMMES)

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 35*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Question No. 1 is compulsory.

*Attempt **three** questions in all.*

*प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है।*

*कुल **तीन** प्रश्न कीजिए।*

1. Elaborate on the nature of teacher-education as a discipline. How does philosophy, sociology and psychology contribute to it ? Discuss in the context of

[P.T.O.

socio-philosophical perspectives and cognitive complexities in teacher-education. 11

विद्याशाखा के रूप में अध्यापक शिक्षा के स्वरूप की सविस्तार व्याख्या कीजिए। दर्शन, समाज विज्ञान और मनोविज्ञान इसमें किस प्रकार योगदान करते हैं? अध्यापक शिक्षा में समाज-दार्शनिक परिप्रेक्ष्यों और संज्ञानात्मक जटिलताओं के संदर्भ में विवेचन कीजिए।

2. Present a comparative picture of the programme of teacher education in other countries. What implications do they have for planning programmes of teacher education in the Indian context ? 12

अन्य देशों में अध्यापक-शिक्षा के कार्यक्रम की एक तुलनात्मक तस्वीर प्रस्तुत कीजिए। भारतीय संदर्भ में अध्यापक शिक्षा के कार्यक्रमों की आयोजना के लिए उनके क्या निहितार्थ हैं?

3. Teaching is praxis and thus the professional development of teachers should be based on two of its distinct yet inter-related foundations-reflection based on practice and reflective-practice. Discuss. Situate your analysis in the assumptions and goals of teaching that would be characteristic of such a system. Further, explain how you will develop a student-teaching pogramme as part of the curriculum for the preparation for such teachers ? 12

शिक्षण एक क्रियाकलाप है और अतएव अध्यापकों का वृत्तिक विकास उसके दो सुभिन्न तथापि अतःसंबद्ध बुनियादों - अभ्यास पर आधारित अनुचिंतन और सविमर्शी अभ्यास। विवेचन कीजिए। अपने विश्लेषण में शिक्षण की उन अभिधारणाओं और लक्ष्यों को लीजिए जो इस प्रकार की व्यवस्था की विशिष्टता से युक्त हों। इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट कीजिए कि इस प्रकार के अध्यापकों को तैयार करने के लिए पाठ्यचर्या के एक अंश के रूप में आप छात्र-शिक्षण कार्यक्रम को किस प्रकार विकसित करेंगे।

4. Write notes on any **two** of the following :

(a) Evolving suitable mechanisms for accreditation of teacher education institutions.

(b) Significance of the code of professional ethics for teachers

(c) Contemporary researches in teacher education.

12

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) अध्यापक-शिक्षा संस्थाओं के प्रत्यायन के लिए उपयुक्त क्रियाविधि विकसित करना

(ख) अध्यापकों के लिए वृत्तिक आचार संहिता का महत्व

(ग) अध्यापक-शिक्षा में सम सामयिक अनुसंधान